भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
30.03.2022 के
अतारांकित प्रश्न सं. 4555 का उत्तर

तमिलनाडु में नई रेल लाइनें

4555. श्री एम. सेल्वराज:
डॉ. टी.आर. पारिवेन्धर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या रेलवे पिछले तीन वर्षों के दौरान तमिलनाडु सहित पूरे देश में नई रेल लाइनें बिछाने, आमान-परिवर्तन, रेल लाइनों के दोहरीकरण, विद्युतीकरण और सिग्नलिंग की प्रक्रिया पर कार्यरत है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान तमिलनाडु में कुल कितनी नई रेल लाइनें बिछाई गई तथा कितनी रेल लाइनों का आमान परिवर्तन, दोहरीकरण, विद्युतीकरण और सिग्नलिंग का कार्य किया
गया/कार्यधीन है;

(घ) क्या तमिलनाडु में उक्त योजनाओं को लागू करने में रेलवे को किसी बाधा और कठिनाई का सामना करना पड़ा है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन कठिनाइयों को दूर करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

तमिलनाडु में नई रेल लाइनों के संबंध में दिनांक 30.03.2022 को लोक सभा में श्री एम. सेल्वराज और डॉ. टी.आर. पारिवेन्धर के अतारांकित प्रश्न सं.4555 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): जी हां। रेल परियोजनाएं राज्य-वार नहीं बल्कि क्षेत्रीय रेलवे-वार स्वीकृत की जाती हैं क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं।

भारतीय रेल

दिनांक 01.04.2021 की स्थिति के अनुसार, तमिलनाडु राज्य सहित 51,165 कि.मी. लंबाई की लगभग 7.53 लाख करोड़ रु. लागत की 484 रेल परियोजनाएं (187 नई लाइन, 46 आमान परिवर्तन और 251 दोहरीकरण परियोजनाएं) योजना/अनुमोदन/निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं। इनमें से 10,638 कि.मी. लंबाई का कार्य पूरा हो गया है और मार्च 2021 तक 2.14 लाख करोड़ रु. का व्यय किया गया है।

पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान तमिलनाडु राज्य सहित भारतीय रेल की नई लाइन/आमान परिवर्तन/दोहरीकरण परियोजनाओं के कार्य पूरा होने की स्थिति निम्नानुसार है:

योजना शीर्ष	2018-19 (कि.मी.)	2019-20 (कि.मी.)	2020-21 (कि.मी.)	2021-22 (फरवरी 2022 तक) (किमी)
नई लाइन	480	360	286	148
आमान परिवर्तन	597	408	470	358
दोहरीकरण	1519	1458	1614	1493
कुल	2596	2226	2370	1999

इस समय, तमिलनाडु राज्य सहित भारतीय रेल की 18,245 मार्ग किलोमीटर की 23,288 करोड़ रु. लागत वाली 97 रेल विद्युतीकरण परियोजनाएं योजना/अनुमोदन/निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं।

पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान तमिलनाडु राज्य सहित भारतीय रेल की विद्युतीकरण परियोजनाओं की स्थिति निम्नानुसार है:

वर्ष-वार विद्युतीकरण			
2018-19 (मार्ग कि.मी.)	2019-20 (मार्ग कि.मी.)	2020-21 (मार्ग कि.मी.)	2021-22 (फरवरी 2022 तक) (मार्ग किमी)
5276	4378	6015	3224

इसी प्रकार, पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान तमिलनाडु राज्य सहित भारतीय रेल में सिगनल प्रणाली के आधुनिकीकरण की स्थिति निम्नानुसार है:

क्र.सं.		वर्ष-वार आधुनिकीकरण			
	मद	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22(फरवरी 2022 तक)
1	इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (अदद)	393	417	355	364
2	ब्लॉक प्रूविंग एक्सल काउंटर (ब्लॉक खंड)	400	375	240	231
3	रेल फाटक इंटरलॉकिंग (अदद)	413	108	190	209
4	मध्यवर्ती ब्लॉक	49	40	60	55

	सिगनल प्रणाली (अदद)				
5	आधुनिक सिगनल प्रणाली	147	279	200	178

रेल परियोजनाओं की लागत, व्यय और परिव्यय सहित क्षेत्रीय रेलवे-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट अर्थात www.indianrailways.gov.in >Ministry of Railways >Railway Board >About Indian Railways >Railway Board Directorates >Finance (Budget) >Rail Budget/Pink Book (Year) >Railway wise works Machinery & Rolling Stock Programme पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

तमिलनाडु

(ग): तमिलनाडु राज्य, भारतीय रेल के दक्षिण रेलवे, दक्षिण पश्चिम रेलवे और दक्षिण मध्य रेलवे जोनों में शामिल हैं।

01.04.2021 की स्थिति के अनुसार, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतया/आंशिक रूप से पड़ने वाली 3,077 कि.मी. कुल लंबाई और 28,307 करोड़ रु. लागत की 25 परियोजनाएं (09 नई लाइन, 4 आमान परिवर्तन और 12 दोहरीकरण परियोजनाएं) योजना/अनुमोदन/निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं। इनमें शामिल हैं:-

- 871 कि.मी. लंबाई की 7,910 करोड़ रु. की लागत वाली 09 नई लाइन परियोजनाएं। मार्च, 2021 तक 575 करोड़ रु. का व्यय किया गया है।

- 839 कि.मी. कुल लंबाई की 5838 करोड़ रु. की लागत वाली 4 आमान परिवर्तन परियोजनाओं में से 604 कि.मी. लंबाई का कार्य पूरा कर दिया गया है और मार्च, 2021 तक 2,972 करोड़ रु. का व्यय किया गया है।
- 1,367 कि.मी. कुल लंबाई की 14,559 करोड़ रु. की लागत वाली 12 दोहरीकरण परियोजनाओं में से 246 कि.मी. लंबाई को पूरा कर दिया गया है और मार्च, 2021 तक 3,299 करोड़ रु. का व्यय किया गया है।

2014-21 के दौरान, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाले 996 कि.मी. खंड (404 कि.मी. आमान परिवर्तन और 592 कि.मी. दोहरीकरण) को 142.29 कि.मी. प्रति वर्ष की औसत दर से चालू किया गया है।

3864 बड़ी लाइन मार्ग किलोमीटर में से 3064 मार्ग किलोमीटर का विद्युतीकरण कर दिया गया है ओर शेष बड़ी लाइन मार्ग किलोमीटर पर विद्युतीकरण कार्य शुरू कर दिए गए हैं। इस समय, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाली 1,169 मार्ग किलोमीटर लंबाई और 1,595 करोड़ रु. लागत की 7 रेल विद्युतीकरण परियोजनाएं निष्पादनाधीन हैं। पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान तमिलनाडु राज्य में विद्युतीकरण कार्य की स्थिति निम्नानुसार है:

वर्ष-वार विद्युतीकरण (तमिलनाडु में)			
2018-19 (मार्ग कि.मी.)	2019-20 (मार्ग कि.मी.)	2020-21 (मार्ग कि.मी.)	2021-22 (फरवरी 2022 तक) (मार्ग किमी)
196	167	263	404

इसी प्रकार, तमिलनाडु में लगभग 1,315 करोड़ रु. लागत की 36 सिगनल परियोजनाएं विभिन्न चरणों में निष्पादनाधीन हैं।

वर्ष 2014 से बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2014-19 के दौरान तमिलनाडु राज्य में पूर्णतया/आंशिक रूप से पड़ने वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए औसत वार्षिक बजट आवंटन को 2009-14 के दौरान 879 करोड़ रु. प्रति वर्ष से बढ़ाकर 1,979 करोड़ रुपये प्रति वर्ष कर दिया गया है, जो 2009-14 के औसत वार्षिक बजट आबंटन से 125% अधिक है। वित्त वर्ष 2019-20 में बजट आबंटन 2410 करोड़ रु. (2009-14 के औसत वार्षिक आबंटन से 174% अधिक) और वित्त वर्ष 2020-21 बजट परिव्यय 2812 करोड़ रु. (2009-14 के औसत वार्षिक बजट परिव्यय से 220% अधिक) मुहैया कराया गया है। वित्त वर्ष 2021-22 हेतु इन कार्यों के लिए 3730 करोड़ रु. (मूल बजट अनुमान 2,972 करोड़ रु. और अतिरिक्त परिव्यय 758 करोड़ रु.) का अभी तक का सर्वाधिक बजट परिव्यय मुहैया कराया गया है, जो 2009-14 के औसत वार्षिक बजट परिव्यय से 324% अधिक है।

रेल परियोजना(ओं) का समय से पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के प्राधिकारियों द्वारा वन संबंधी मंजूरी, बाधक जनोपयोगी सेवाओं की शिफ्टिंग, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक स्थिति, परियोजना साइट के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु स्थिति को ध्यान में रखते हुए परियोजना विशेष की साइट के लिए वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या, आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है और ये सभी कारक परियोजना के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं। बहरहाल, भारतीय रेल द्वारा परियोजनाओं के शीघ्र समापन हेतु सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

रेल परियोजनाओं के प्रभावी और त्वरित कार्यान्वयन के लिए रेलवे द्वारा किए जा रहे विभिन्न उपायों में (i) परियोजनाओं की प्राथमिकता निर्धारित करना (ii) निधि के आबंटन में पर्याप्त वृद्धि (iii) फील्ड स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन (iv) विभिन्न स्तरों पर परियोजनाओं की प्रगति की गहन निगरानी और (v) शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वानिकी और वन्यजीव संबंधी मंजूरियों और परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों को सुलझाने के लिए राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकारियों के साथ नियमित रूप से अनुवर्ती कार्रवाई करना शामिल है।

****